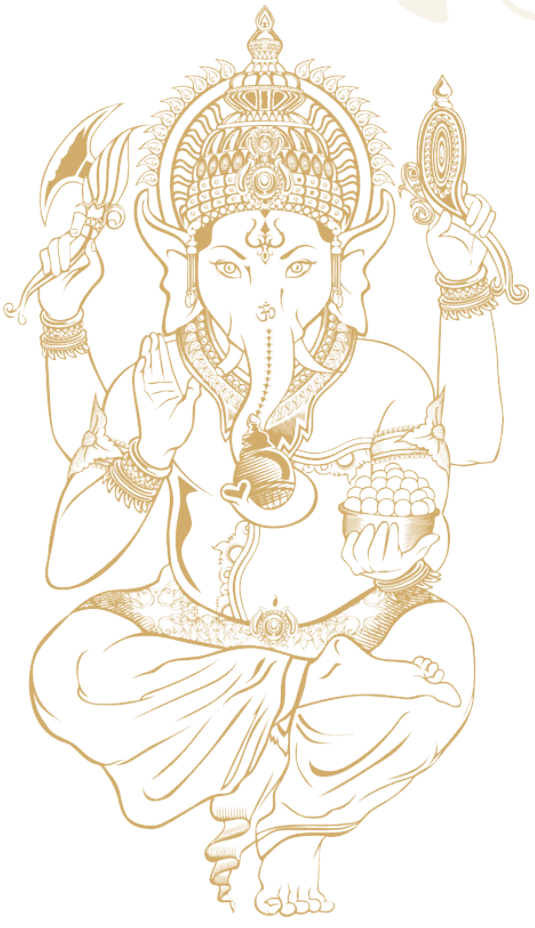

Mr. MAYANK

15 May 1997

06:10 AM

Ballabgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120002213

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/05/1997**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**06:10:00 घंटे**
इष्ट	01:37:55 घटी
स्थान	**Ballabgarh**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:20:00 उत्तर
रेखांश	77:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:49:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	21:20:25 घंटे
सूर्योदय	05:30:49 घंटे
सूर्यास्त	19:03:43 घंटे
दिनमान	13:32:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:25:04 वृष
लग्न के अंश	10:11:28 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	10:11:28	385:58:08	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			वृष	00:25:04	00:57:52	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	06:38:41	11:49:01	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	24:38:17	00:11:29	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			मेष	07:09:38	00:28:14	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मक	27:03:52	00:04:46	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृष	11:28:28	01:13:44	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	स्वराशि
शनि			मीन	21:48:45	00:06:26	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
राहु			कन्या	03:14:36	00:00:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	03:14:36	00:00:35	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:51:09	00:00:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	06:05:32	00:00:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:41:40	00:01:37	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			मक	23:50:10	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:11

लग्न-चलित

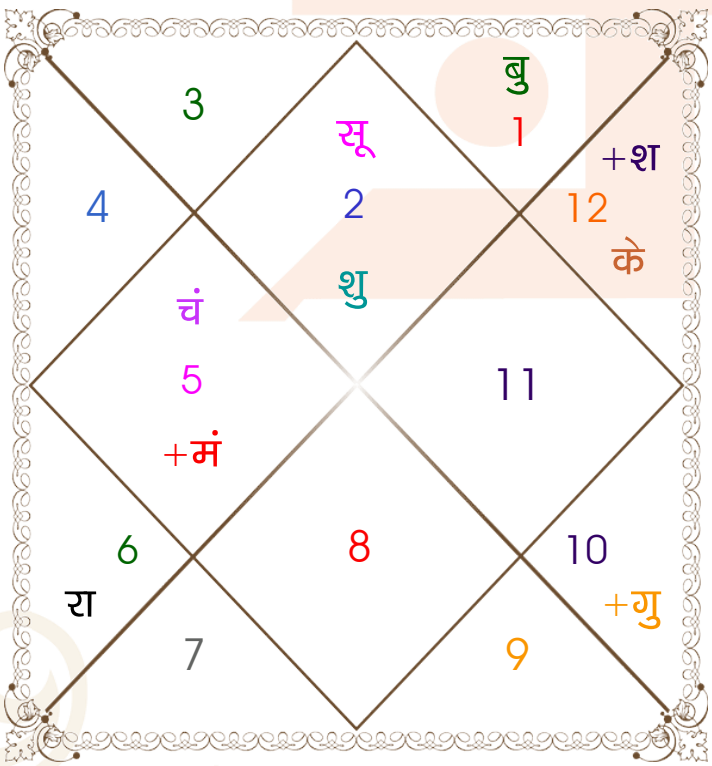

चन्द्र कुंडली

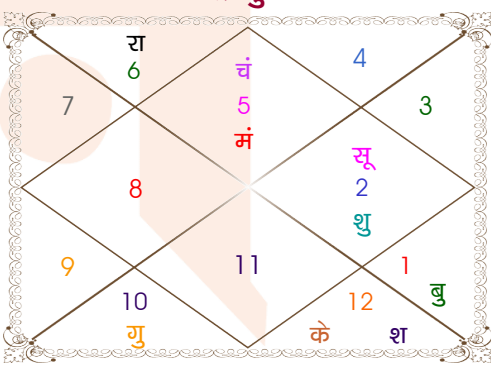

नवमांश कुंडली

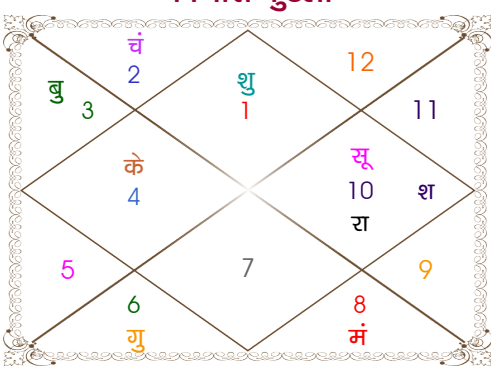

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 4 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/05/1997		17/11/2000		17/11/2020		18/11/2026		17/11/2036	
17/11/2000		17/11/2020		18/11/2026		17/11/2036		18/11/2043	
	00/00/0000	शुक्र	19/03/2004	सूर्य	07/03/2021	चंद्र	18/09/2027	मंगल	15/04/2037
	00/00/0000	सूर्य	19/03/2005	चंद्र	06/09/2021	मंगल	18/04/2028	राहु	04/05/2038
	00/00/0000	चंद्र	18/11/2006	मंगल	11/01/2022	राहु	18/10/2029	गुरु	10/04/2039
	00/00/0000	मंगल	18/01/2008	राहु	06/12/2022	गुरु	17/02/2031	शनि	19/05/2040
	15/05/1997	राहु	18/01/2011	गुरु	24/09/2023	शनि	17/09/2032	बुध	16/05/2041
राहु	05/11/1997	गुरु	18/09/2013	शनि	05/09/2024	बुध	17/02/2034	केतु	12/10/2041
गुरु	12/10/1998	शनि	17/11/2016	बुध	13/07/2025	केतु	18/09/2034	शुक्र	12/12/2042
शनि	21/11/1999	बुध	18/09/2019	केतु	18/11/2025	शुक्र	19/05/2036	सूर्य	19/04/2043
बुध	17/11/2000	केतु	17/11/2020	शुक्र	18/11/2026	सूर्य	17/11/2036	चंद्र	18/11/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/11/2043		18/11/2061		18/11/2077		17/11/2096		19/11/2113	
18/11/2061		18/11/2077		17/11/2096		19/11/2113		00/00/0000	
राहु	31/07/2046	गुरु	06/01/2064	शनि	20/11/2080	बुध	16/04/2099	केतु	17/04/2114
गुरु	24/12/2048	शनि	19/07/2066	बुध	01/08/2083	केतु	13/04/2100	शुक्र	17/06/2115
शनि	31/10/2051	बुध	24/10/2068	केतु	08/09/2084	शुक्र	12/02/2103	सूर्य	23/10/2115
बुध	19/05/2054	केतु	30/09/2069	शुक्र	09/11/2087	सूर्य	20/12/2103	चंद्र	23/05/2116
केतु	07/06/2055	शुक्र	31/05/2072	सूर्य	21/10/2088	चंद्र	20/05/2105	मंगल	19/10/2116
शुक्र	06/06/2058	सूर्य	19/03/2073	चंद्र	22/05/2090	मंगल	17/05/2106	राहु	16/05/2117
सूर्य	01/05/2059	चंद्र	19/07/2074	मंगल	01/07/2091	राहु	04/12/2108		00/00/0000
चंद्र	30/10/2060	मंगल	25/06/2075	राहु	07/05/2094	गुरु	11/03/2111		00/00/0000
मंगल	18/11/2061	राहु	18/11/2077	गुरु	17/11/2096	शनि	19/11/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के प्रथम चरण में होना आपके उज्जवल भविष्य का द्य ोतक है। जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ मेष राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण उदित था। परिणामस्वरूप आपका भविष्य पूर्णता युक्त एवं अन्य ग्रहों के सुप्रभाव से राजयोग का निर्माता है। अस्तु आपका जीवन स्तर बहुत उत्तम रहेगा। आपके जन्म का स्वरूप पूर्णतः आपके अनुकूल प्रतीत होता है। आप अपने जीवन का नेतृत्व कर, सुखद एवं सरलता पूर्वक धन संपत्ति से युक्त तथा आनंददायक पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी राशि का प्रतीक बैल है। जो आपमें ईश्वरीय प्रदत्त सदगुणों की समृद्धता प्रकट करता है। आप मृदुभाषी एवं सत् चित्त युक्त है, तथा आप बिना किसी के सहयोग से नहीं मात्र अपने प्रयास से उन्नति प्राप्त करेंगे। क्योंकि यह गुण आप में विद्यमान है। अन्य की तुलना में आप भक्ति भावना से युक्त हैं, तथा आप में गंभीर विषयों के संपादन का निर्देशन शक्ति परिलक्षित होता है।

बुनियादी तौर पर आप किसी के भी साथ व्यक्तिगत रूप से शांतिपूर्ण प्रेमसंबंध स्थापित करते हैं। आप दूसरों के वाद-विवाद से बच कर अथवा प्रेम संबंध में मध्यस्थता नही चाहते हैं। परंतु यदि कोई किसी भी अवसर पर आपको उत्तेजित करता है, प्रतिक्रिया स्वरूप आप उस पर हिंसात्मक प्रहार करते हैं। आपको पूर्ण रूपेण इस प्रवृत्ति को त्याग कर, अपने आवेग को नियंत्रित रखना चाहिए।

आपकी विस्तृत मित्र या मित्र मंडली के द्वारा उत्कृष्ट धन या भूमि का लाभांश की प्राप्ति सहयोगात्मक भावना से युक्त होकर अंतर आत्मा से सहायता आवश्यक हैं।

आप पूंजी निवेश, कठिन परिश्रम तथा सुनियोजित कार्यक्रम द्वारा अधिक धन संग्रह करेंगे। परंतु आप इस प्रकार के समतल आय से संतुष्ट नही होंगे। क्योंकि वास्तव में आपका संबंध क्षेत्र विस्तृत है। इसलिए आप उच्चशिखर तक धन संपत्ति संग्रह करना चाहते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट होता है कि आपमें पूर्ण रूपेण धन लो लुप्तता विद्यमान है। प्रायः आपकी कृपणता पर ही आपका अस्तित्व निर्भर करता हैं क्योंकि आपकी मुट्ठी बंधी हुई अर्थात् हृदय अनुदार है।

शारीरिक रूप से आप मध्यम कद के साथ ही चौड़े कंधे एवं उन्नत मांसल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित्त मुखाकृति के प्राणी होंगे। आपकी ललाट उन्नत, गर्दन झुकी हुई एवं आंखें चमकीली होगी। आपका पारिवारिक वातावरण अन्यों की द्वारा इर्ष्यायुक्त रहेगी। आपके पति-पत्नी का स्नेहमय प्रवृत्ति से आपका घरेलू जीवन प्रसन्नता पूर्ण एवं सगे संबंधियों के साथ प्रगाढ़ मैत्रीपूर्ण तथा सुव्यवस्थित संबंध रहेगा। आप अपने (घर) भवन की सजावट अच्छे-अच्छे साज शय्याओं से युक्त तथा शरीर के लिए आरामदायक वस्तुओं से सुसज्जित रखेंगे। वर्त्तमान काल रंग-बिरंगे चित्रों को पंक्तिबद्ध तरीके से बहुत मात्रा में सुव्यवस्थित ढंग से अपने घर में लगाते हैं।

इसके अतिरिक्त आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य शरीर धारण कर, जीवन का उत्तम आनंद प्राप्त करेंगे। आयु वृद्धि के साथ-साथ आपको गले रोग, कफ एवं शीतप्रकोप, पैर के सूजन आदि रोगों की संभावना के प्रति सतर्क रहें।

आपके लिए व्यवसायिक कार्य हेतु जलीय वस्तुओं का व्यवसाय जैसे मोती, मछलीपालन, सिंघाड़े की खेती आइस क्रीम व्यवसाय, प्रॉप्रार्टी डीलरशिप, भवन संबंधी कार्य एवं ऑटोमोबाइल्स तथा पेट्रोल संबंधित कार्य अनुकूल रहेगा।

आपके लिए भाग्यशाली एवं प्रभावशाली अंक 2 एवं 8 अंक है। अंक 7 एवं 9 अंक भी आपके लिए आकर्षक अंक है। परंतु अंक 5 आपके लिए अनुकूल नही रहेगा। अस्तु इस तारीख से सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए रंग (श्वेत) सफेद गुलीबी, एव हरा रंग अनुकूल है। परंतु लाल रंग आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com